महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
हिंदी साहित्य विभाग
साहित्य विद्यापीठ
राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 आधारित स्नातक पाठ्यक्रम संरचना

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम:** हिंदी साहित्य विभाग
   (Name of the Department/Centre): Hindi Literature Department

2. **पाठ्यक्रम का नाम:**चार वर्षीय स्नातक पाठयक्रम हिंदी साहित्य
   (Name of the Programme): B.A. Hindi Literature
3. **पाठ्यक्रम कोड:**BAHL
   (Code of the Programme):BAHL

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1. हिंदी साहित्य के विविध आयामों से परिचित कराना। 2. साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण करना। 3. हमारा सर्वोत्तम साहित्य लोकभाषाओं में रचा गया है। हिंदी की शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत लोकभाषाएं हैं। उनसे निरंतर संपर्क संवाद तथा सहयोग के लिए प्रयास करना। 4. लोकसाहित्य के क्षेत्र में शोधकार्य के अवसर उपलब्ध कराना। 5. सामाजिक परिवर्तन की शक्तियों के प्रभाव से	1. साहित्यिक एवं अकादमिक हिंदी बोलने और लिखने के कौशल का विकास करना। 2. पढ़ने और सुनने के कौशल का विकास करना। 3. समीक्षात्मक अवधारणाओं को प्रयोग करने की योग्यता का विकास करना। 4. अभिव्यक्ति के विभिन्न कौशलों का विकास करना। 5. विद्यार्थी में लेखन, वाचन और श्रवण के साथ साथ कल्पनाशक्ति का विकास करना। 6. साहित्य के अध्ययन विश्लेषण	1. अध्यापन, तकनीक, कम्प्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि केक्षेत्रों में रोज़गार की संभावनाएं सुलभ हो सकेंगी।

प्रचलित नये सामाजिक विमर्श यथा- दलित विमर्श, स्त्रीविमर्श, आदिवासी विमर्श आदि से संबद्ध साहित्य के अध्ययन तथा अनुसंधान को प्रोत्साहित करना।	द्वारा तुलनात्मक अध्ययन दृष्टि का विकास करना।	

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 आधारित स्नातक पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)
प्रथम सेमेस्टर
क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कोड	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU111	हिंदी काव्य : आदिकाल एवं भक्तिकाल	04	60
	MSHU112	हिंदी साहित्य का इतिहास-1	04	60
	MSHU113	हिंदी कहानी	04	60
ऐच्छिक	MSHU011		04	60
	MSHU012		04	60
	कुल		20	

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)
द्वितीय सेमेस्टर
क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कोड	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU121	हिंदी काव्य : रीतिकाल	04	60
	MSHU122	हिंदी साहित्य का इतिहास-2	04	60
	MSHU123	हिंदी उपन्यास	04	60
ऐच्छिक	MSHU021		04	60
	MSHU022		04	60
	कुल		20	

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)
तृतीय सेमेस्टर
क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कोड	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU231	आधुनिक काव्य-1	04	60
	MSHU232	हिंदी भाषा का विकास	04	60
	MSHU233	हिंदी नाटक	04	60

ऐच्छिक	MSHU031		04	60
	MSHU032		04	60
	कुल		**20**	

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)

चतुर्थ सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कोड	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU241	आधुनिक काव्य-2	04	60
	MSHU242	लोक साहित्य	04	60
	MSHU243	हिंदी निबंध	04	60
ऐच्छिक	MSHU041		04	60
	MSHU042		04	60
	कुल		**20**	

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)

पंचम सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कोड	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU351	भारतीय काव्यशास्त्र	04	60
	MSHU352	हिंदी पत्रकारिता	04	60
	MSHU353	कथेतर गद्य विधाएं	04	60
ऐच्छिक	MSHU051		04	60
	MSHU052		04	60
	कुल		**20**	

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)

षष्ठ सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कोड	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU361	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04	60
	MSHU362	अस्मितामूलक साहित्य	04	60
	MSHU363	हिंदी आलोचना	04	60
ऐच्छिक	MSHU061		04	60
	MSHU062		04	60
	कुल		**20**	

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)

सप्तम सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कोड	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU471	हिंदी में अनूदित भारतीय साहित्य	04	60
	MSHU472	साहित्य और मीडिया	04	60
	MSHU473	प्रयोजनमूलक हिंदी	04	60
	MSHU474	शोध प्रविधि	04	60
ऐच्छिक	MSHU071		04	60
		कुल	**20**	

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)

अष्टम सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कोड	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU481	हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य	04	60
	MSHU482	प्रवासी साहित्य	04	60
	MSHU483	सर्जनात्मक लेखन	04	60
	MSHU484	परियोजना कार्य एवं मौखिकी	04	60
ऐच्छिक	MSHU081		04	60
		कुल	**20**	

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 04 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

मॉड्यूल	विवरण				कुल पाठ्यचर्या

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)
प्रथम सेमेस्टर
क्रेडिट – 20

1. **पाठ्यचर्या का नाम (**Name of the Course): हिंदी काव्य: आदिकाल एवं भक्तिकाल

2. **पाठ्यचर्या का कोड (**Code of the Course)MSHU111

3. **क्रेडिट:**(Credit) 04

4. **सेमेस्टर:**प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा /ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियां	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालकी हिंदी कविता की पृष्ठभूमि को समझाते हुए विद्यार्थी को इसके मूल पाठ के मर्म से परिचय कराना है। इसके साथ ही प्राचीन एवं पूर्वमध्यकालीन परिवेश में कविता की बनावट और विषय वस्तु में महत्वपूर्ण-परिवर्तनों से भी परिचित हो सकेगा।

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):**

ज्ञान संबंधी	• इस पाठ्यचर्या में चयनित कविताओं से विद्यार्थी कविता की उस महान परंपरा से परिचित होंगे जो न केवल प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन हिंदी कविता को अपितु उत्तरवर्ती हिंदी कविता को भी समृद्ध कर रही थी। • अपभ्रंश से लेकर देशज शब्दावलियाँ किन रूपों में कविता की समृद्धि को सुनिश्चित करते हुए उसे लोक तक ले जा रही थी,विद्यार्थी इससे भी अवगत होंगे। • शिल्प की दृष्टि से प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य किन अर्थो मेंमहत्वपूर्ण है, इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी इसकी समझ भी विकसित करेंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	• प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन हिंदी कविताके अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी कविता के प्रस्थान को समझते हुए कविता के वाचन का कौशल अर्जित कर सकेंगे।
नियोजन/रोजगार संबंधी	• इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थी को सहायता मिलेगी।

7. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):**

संख्या		निर्धारित अवधि :(घंटे में)				कुल घंटे	में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-/शिक्षण व्याख्यान (ऑफ लाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल यदि) (अपेक्षित हैं	संवाद/ /प्रशिक्षण प्रयोगशाला कार्य-क्षेत्र/ (Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	**प्राचीन काव्य-** • प्राचीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि • रासो काव्य और चंदबरदाई • पद्मावती समय का चयनित अंश (पृथ्वीराज रासो)	12	00	02	01	15	25%
मॉड्यूल-2	**अमीर खुसरो और विद्यापति: पाठ और आलोचना** • अमीर खुसरो की हिंदी कविता 05 पहेलियाँ 11,23,25,31,48, 05 मुकरियाँ 145,162,165,173,215 विद्यापति और उनकी कविता (चयनित पाँच पद) 1. नंदक नंदन कदम्बेरि तरुमरे (वंशी माधुरी) 2. कुंज भवन सँ चलि भेलि हे (बसंत मिलन) 3. देख-देख राधा-रूप अपार (रूप वर्णन)	12	00	02	01	15	25%

	4. चाँद-सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे (रूप वर्णन) 5. बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर						
मॉड्यूल-3	**पूर्व मध्यकालीन हिंदी काव्य** **कबीरदास और मलिक मुहम्मद जायसी: पाठ और आलोचना** ● कबीरदास : **10** साखी एवं 05 पद गुरुदेव कौ अंग- 01,15 सुमिरण कौ अंग- 04,10 बिरह कौ अंग - 11,22 चितावणी को अंग - 12,31 मन कौ अंग-21 कथनी बिना करणी कौ अंग - 04 **05 (**चयनित पद) **1.** अवधू बेगम देस हमारा **2.** अमरपुर ले चलु हो सजना **3.** झीनी झीनी बीनी चदरिया **4.** साधो देखो जग बौराना **5.** हमन हैं इश्क मस्ताना ● मलिक मुहम्मद जायसी : मानसरोदक खण्ड	12	00	02	01	15	25%
मॉड्यूल-4	**सूरदास और तुलसीदास: पाठ और आलोचना** ● सूरदास : विनय - पद 05 01,02,18,24,25 वात्सल्य 05 -पद 07,18,19,23,26 तुलसीदास : कवितावली के बालकाण्ड से 10 छंद	12	00	02	01	15	25%

	01,02,03,04,05,06,07,09,14,17 मीराबाई : चयनित 05 पद 1. राणा जी थे क्याँ ने राखो म्हाँसूँ बैर 2. साँवलिया म्हारो छाय रह्या परदेस 3. करम गत टाराँ गा री टराँ 4. नहीं सुख भावै, थारो देस लड़ो रंगरुड़ो 5. आज अनारी ले गयो सारी, बैठी कदम की डारी						
योग		48	00	08	04	60	100%

टिप्पणी :1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक(शीर्षक Topic) (उपशीर्षक -Sub topic**)** रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियां , तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods ,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित अभिगम**,** संवाद प्रणाली का प्रयोग**,** आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का उपयोग।
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान (Class lecture), समूह चर्चा **(**Group-Discussion**),** संवाद **(**Dialogue)
तकनीक	दृश्य-श्रव्य माध्यमों का उपयोग (यथावसर) आई सी टी आधारित प्रशिक्षण**,** श्यामपट्ट का उपयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स**,** आलेख**,** फोटोकॉपी**, Moodle LMS, you tube** आदि।

9. अपेक्षित अधिगम परिणाम**(Course Learning Outcomes-CLOs) :**

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	-	-

टिप्पणी:

1.✓-पाठ्चर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्चर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

11. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

क सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन.

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीयपत्र-#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

घटक	क्षेत्रप्रशिक्षण /कार्य-आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APAप्रारूप में)
1	आधार पाठ्यग्रंथ	• गुप्त, माता प्रसाद, (सं.) पृथ्वीराजरासो • ब्रजरत्नदास (.सं),खुसरो की हिंदी कविता, वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा • बेनीपुरी,रामवृक्ष (सं.), विद्यापति • सिंह, शिवप्रसाद, विद्यापति, लोकभारती प्रकाशन • श्यामसुंदर दास, कबीर ग्रंथावली, वाराणसी, नागरीप्रचारणी सभा • अग्रवाल, वासुदेव शरण, जायसी, पद्मावत • शुक्ल रामचंद्र, जायसी ग्रंथावली, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा • शुक्ल, रामचंद्र, भ्रमरगीत सार, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा • तुलसीदास, कवितावली, गोरखपुर, गीता प्रेस • चतुर्वेदी, परशुराम, (सं.) मीराबाई की पदावली • त्रिपाठी, विश्वनाथ, मीरा का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	• द्विवेदी हजारीप्रसाद, कबीर, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन • द्विवेदी, हजारी प्रसाद एवं नामवर सिंह(सं.) पृथ्वीराज रासो, साहित्य भवन, इलाहाबाद • पाचांल, परमानंद एवं भोलानाथ तिवारी, अमीर खुसरो, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

		• सिंह, नामवर, हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, रातकमल प्रकाशन, नई दिल्ली • बोरा, राजमल, पृथ्वीराज रासो, इतिहास और काव्य • त्रिवेदी, विपिन बिहारी, चन्दबरदाई और उनका काव्य, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद • वर्मा रामकुमार,कबीर का रहस्यवाद, इलाहाबाद, साहित्य भवन प्रालि. • विजयेन्द्र स्नातक,(.सं) , कबीर, नयी दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन • तिवारी, डॉ. रामचंद्र, कबीर मीमांसा • डॉ. धर्मवीर, कबीर के आलोचक • शुक्ल रामचन्द्र, गोस्वामी तुलसीदास, काशी,नागरी प्रचारिणी सभा • विजयदेवनारायण साही, जायसी, इलाहाबाद, हिन्दुस्तानी एकेडेमी • द्विवेदी हजारीप्रसाद, सूर साहित्य, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन • पाण्डेय मैनेजर, भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य,नयी दिल्ली, वाणी प्रकाशन • वाजपेयी नन्ददुलारे, महाकवि सूरदास, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन • तिवारी रामपूजन, जायसी, नयी दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन • सिंह उदयभानु, तुलसी काव्य मीमांसा, नयी दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन • शास्त्री विष्णुकान्त, तुलसी के हिय हेरि, इलाहाबाद, लोकभारती • शुक्ल, रामचंद्र त्रिवेणी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी • शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ. रामविलास, लोकजागरण का हिंदी साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	ई.पी.जी.पाठशाला,hindisamay.com, kavitakosh.org,

		epustkaly.com
4	लिंक	
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): **हिंदी साहित्य का इतिहास 1 (History of Hindi Literature 1)**

घटक	**घंटे**
कक्षा /ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियां	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

2.पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course): **MSHU112**

3.क्रेडिट(Credit)**: 04**

4. **सेमेस्टर**(Semester):**प्रथम**

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को हिंदी साहित्य की परम्परा के साथ प्रमुख रचनाकारों के महत्त्व और उनके साहित्यिक योगदान की जानकारी देना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	● हिंदी साहित्य के इतिहास और परम्परा से विद्यार्थी परिचित होगा। विद्यार्थी के ज्ञान का विस्तार होगा और साहित्य की समझ बेहतर होगी।
कौशल / दक्षता संबंधी	● साहित्यिक इतिहासदृष्टि की समझ विकसित होगी।
रोजगार	● साहित्य लेखन, अध्यापन तथा अन्य रोजगार के क्षेत्र में सहायता मिलेगी।

संबंधी	

07 . पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	**आदिकाल** • हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन • हिंदी साहित्य का इतिहास काल-विभाजन • हिंदी साहित्य का काल निर्धारण • सिद्ध साहित्य • नाथ साहित्य • जैन साहित्य • लौकिक साहित्य	12	00	02	01	15	25%
मॉड्यूल-2	• भक्ति**काल सामान्य परिचय** • **भक्तिकाल की** प्रवृत्तियाँ • भारतीय धर्म साधना और हिंदी संत काव्य	12	00	02	01	15	25%

	• सूफी काव्य के वैचारिक आधार • सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप • प्रमु प्रमुख कवि– कबीरदास , रैदास , मुल्लादाऊद , जायसी						
मॉड्यूल-3	• सगुण भक्ति के दार्शनिक आधार और विविध संप्रदाय • सगुण भक्ति काव्य**की**प्रवृत्तियाँ • रामभक्ति काव्य • कृष्णभक्ति काव्य • प्रमुख कवि – **तुलसीदास**, **सूरदास**, मीराबाई, रसखान	12	00	02	01	15	25%
मॉड्यूल-4	• **रीतिकाल सामान्य परिचय** • **रीतिकाल के वीर काव्य** • **रीतिकालकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ** • **प्रमुख काव्य धारा – रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध , रीतिमुक्त** • **प्रमुख कवि - केशवदास , देव , बिहारीलाल , पद्माकर , घनानंद , ठाकुर , सेनापति**	12	00	02	01	15	25%
योग							

टिप्पणी: माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक (Topic) और किसी शीर्षक के अंतर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक **(**Sub topic**)** होसकते हैं।

08 . शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईजी.पी.पाठशाला,सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्टनिर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ

09.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	-	-

1.-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जानेवाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

11. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	50%	**20%**

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा 2. नगेन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नोएडा, प्रकाशन. नई दिल्ली, राजकमल 3. द्विवेदी आचार्य, हजारी प्रसाद,हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, प्रकाशन. नई दिल्ली, राजकमल 4. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास,इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन. 5. वर्मा, रामकुमार, हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, इलाहाबाद, राम नारायणलाल प्रकाशन. 6. शर्मा ,डॉ., रामकिशोर,हिंदी साहित्य का इतिहास, इलाहाबाद,

		श्यामा प्रकाशन संस्थान. 7. गुप्त, डॉ., गणपति चन्द्र , हिंदी सहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,प्रकाशन, नई दिल्ली , लोकभारती प्रकाशन 8. द्विवेदी आचार्य, हजारीप्रसाद, हिंदी साहित्य का आदिकाल, प्रकाशन. नईदिल्ली, राजकमल 9. द्विवेदी आचार्य, हजारीप्रसाद, हिंदी साहित्य की भूमिका ,प्रकाशन. नई दिल्ली, राजकमल 10. त्रिपाठी , पं. करुणापति और सिंह, डॉ. वासुदेव, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (आदिकाल), वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा 11. चतुर्वेदी, पं. परशुराम, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (भक्तिकाल निर्गुण भक्ति), वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा 12. गुप्त दीनदयाल, विजेंद्र , हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (भक्तिकाल सगुण भक्ति), वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा 13. डॉ. नगेंद्र, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (रीतिकाल , रीतिबद्ध), वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा 14. मिश्र, डॉ. भागीरथ, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास रीतिकाल , रीतिमुक्त), वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा 15. सिंह, डॉ. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन) 16. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, दिल्ली, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड
3	ई-संसाधन	ई.पी.जी.पाठशाला,hindisamay.com,kavitakosh.org, bharatdiscovery.org,epustakaly.com
4	लिंक	www.wikipedia.org www.egyankosh.ac.in www.youtube.com https://epgp.inflibnet.ac.in/
5	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

1. **पाठ्यचर्या का नाम (**Cours Name of thee): हिंदी कहानी

2. **पाठ्यचर्या का कोड (**Code of the Course) **113MSHU**

3. **क्रेडिट:**(Credit)04

4. **सेमेस्टर:** प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा /ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियां	04
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):**प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिंदी कहानी की विकास यात्रा को संपूर्णता में जाननासमझना है। चयनित कहानियों के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय - समाज के यथार्थऔर यहाँ की सांस्कृतिक विविधता से परिचित होगा।

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):**

ज्ञान संबंधी	● विद्यार्थी हिंदी कहानी की विकास यात्रा से परिचित होंगे। इसके साथ ही हिंदी कथा साहित्य में चित्रित सामाजिक यथार्थ और भारतीय संस्कृति के वैविध्य को भी गहनता से समझ पाएंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	● हिंदी कहानी की संवेदना और उसके शिल्प पक्ष को जाननेसमझने से - विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, राजनीति एवं संस्कृति के प्रति समझ समृद्ध होगी। इससे उनका कौशल निखरेगा तथा उनकी सृजनात्मक क्षमता में भी वृद्धि होगी।
नियोजन/रोज़गार संबंधी	● अकादमिक जगत के अलावा फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में रोज़गार के अवसर मिलेंगे।

07 . पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि :(घंटे में)				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-/शिक्षण व्याख्यान (ऑफ लाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल यदि) (हैं अपेक्षित	संवाद/ /प्रशिक्षण प्रयोगशाला कार्य-क्षेत्र/ (Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	**हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास** ● प्रेमचंद पूर्व कहानी ● प्रेमचंदोत्तर कहानी ● नई कहानी ● समकालीन कहानी	**12**	02	01	**15**	25 %	**12**
मॉड्यूल-2	**चयनित कहानियाँ व्याख्या एवं) (विश्लेषण** ● चंद्रधर शर्मा गुलेरी उसने कहा : था ● प्रेमचंद पंच परमेश्वर: ● जयशंकर प्रसाद पुरस्कार: ● जैनेंद्र पाजेब :	**12**	02	01	**15**	25 %	**12**
मॉड्यूल-3	**चयनित कहानियाँ व्याख्या एवं) (विश्लेषण** ● फणीश्वरनाथ रेणु तीसरी कसम : ● अज्ञेय रोज : ● राजेंद्र यादव भय : ● मन्नू भण्डारी : यही सच है	**12**	02	01	**15**	25 %	**12**

मॉड्यूल-4	**चयनित कहानियाँ व्याख्या एवं) (विश्लेषण** ● भीष्म साहनी चीफ की दावत : ● उषा प्रियम्वदा : वापसी ● अमरकान्त :दोपहरकाभोजन ● ओमप्रकाश वाल्मीकि : घुसपैठिये	**12**	02	01	**15**	25 %	**12**
योग		**48**	**08**	**4**	**60**	**100 %**	100%

टिप्पणी :1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक)Topic(/ उपशीर्षक (Sub topic) रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

10. शिक्षण अभिगम, विधियां , तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods ,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संवाद प्रणाली का प्रयोग, आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का उपयोग।
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान (Class lecture), समूह चर्चा (Group-Discussion), संवाद (Dialogue)
तकनीक	दृश्य-श्रव्य माध्यमों का उपयोग (यथावसर) आई सी टी आधारित प्रशिक्षण, श्यामपट्ट का उपयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, फोटोकॉपी, **Moodle LMS, youtube**आदि।

11. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOs) :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	-	-

टिप्पणी:

1.✓ -पाठ्चर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्चर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

11. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

क सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन.

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीयपत्र-#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख परियोजना कार्य/ प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र प्रशिक्षण/कार्य-आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

12. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APAप्रारूप में)
1	आधार पाठ्यग्रंथ	1. साहनी, भीष्म, हिंदी कहानी संग्रह, 2015, साहित्य अकादेमी 2. यादव, राजेंद्र, एक दुनिया समानांतर
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह, विजय मोहन, कथा समय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 2. मधुरेश, नई कहानी: पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 3. मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

		4. सिंह, नामवर, कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. यादव, राजेन्द्र, नई कहानी: संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 6. सिंह, विजय मोहन, आज की हिन्दी कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 7. त्रिपाठी, विश्वनाथ, कुछ विचार: कुछ कहानियाँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. राय, गोपाल, हिन्दी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 9. चौधरी, सुरेन्द्र, कहानी प्रक्रिया और पाठ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 10. अवस्थी, देवी शंकर, नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 11. सिंह, पुष्पपाल (सं.) शताब्दी कथा विशेषांक, वर्तमान साहित्य, संयुक्तांक 1-2
3	ई-संसाधन	ई.पी.जी.पाठशाला,hindisamay.com, kavitakosh.org, epustkaly.com
4	लिंक	
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

स्नातक कार्यक्रम हिंदी साहित्य (पाठ्यचर्या)
द्वितीय सेमेस्टर
क्रेडिट - 20

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**48**

1. **पाठ्यचर्या का नाम**(Name of the Course): **हिंदी काव्य : रीतिकाल**

2. **पाठ्यचर्या का कोड**(Code of the Course) : **MSHU121**

ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**8**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**4**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

3. **क्रेडिट** (Credit): **04**

4. **सेमेस्टर** (Semester) :**द्वितीय**

5. **पाठ्यचर्या विवरण(**Description of the Course):

प्रस्तुत पाठ्यचर्या उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) से उस काल की प्रवृत्ति, काव्यबोध एवं परंपरा की समझ विकसित होगी। विद्यार्थी रीतिकालीन साहित्य से जुड़कर सम्यक अध्ययन कर सकेंगे।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOs) :

i) ज्ञान/बोध संबंधी: विद्यार्थी उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) का परिचय प्राप्त करेगा । रीति की अवधारणा की समझ विकसित हो सकेगी। रीतिकाल की प्रमुख विशेषताओं को जान सकेगा एवं रीतिकाल की प्रमुख धाराओं से परिचित हो सकेगा।

ii) कौशल/अभ्यास संबंधी: उत्तर मध्यकाल के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। प्राचीन काव्य रूपों से परिचय प्राप्त कर तद्युगीन स्थितियों से तादात्मय में स्थापित कर सकेगा । ऐतिहासिक विकास क्रम में प्राचीन काव्य रूपों से परिचित होकर कौशल से युक्त होगा ।

ii) नियोजन/रोजगार संबंधी: अध्यापक, विषय-विशेषज्ञ के रूप में अवसर प्राप्त होंगे।

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफ लाइन/ ऑन लाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory /Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	1 उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल की सामाजिक सांस्कृतिक, पृष्ठभूमि, 2. रीतिकाल का नामकरण एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ 3. रीतिकाल की विशेषताएँ	**12**	**1**	**2**		**15**	25**%**
मॉड्यूल-2	**रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ -** **1.** रीतिबद्ध काव्य एवं प्रमुख कवि **2.** रीति सिद्ध काव्य एवं प्रमुख कवि **3.** रीतिमुक्त काव्य एवं प्रमुख कवि	**12**	**1**	**2**		**15**	25**%**
मॉड्यूल-3	**रीतिकाल के प्रमुख कवि** **केशवदास- रामचन्द्रिका से चयनित अंश) 05 छन्द** व्याख्या एवं पाठ विश्लेषण संक्षिप्त रामचन्द्रिका- सम्पादक – रामचन्द्र तिवारी 1.बालक मृनालनि ज्यों तोरि डारै सब काल, 2. बानी जगरानी की उदारता बखानी जाय,	**12**	**1**	**2**		**15**	25**%**

	3. विधि के समान हैं विमानीकृतराजहंस, 4. अरुन गात अति प्रात पद्मिनीप्राननाथ भय, 5. सातहु दीपन के अवनीपति हारि रहे जिय में जब जाने , **भूषण**, व्याख्या एवं पाठ विश्लेषण **चयनित अंश 05 छन्द** 1. इंद्र जिमि जंभ पर, बाड़व सु अंभ पर, 2. चकित चकत्ता चौकि चौकि उठै बार-बार, 3. डाढ़ी के रखैयन की डाढ़ी सी रहति छाती, 4. जिहि फन फूतकार उड़त पहार भार, 5. दारा की न दौर यह, रार नहीं खजुबे की **बिहारी लाल** **बिहारी रत्नाकर सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर** **15 दोहे (चयनित)** **व्याख्या एवं पाठ विश्लेषण**						
मॉड्यूल-4	**घनानंद (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) – 05 छन्द – चयनित** **व्याख्या एवं पाठ विश्लेषण** **देव – 05 छन्द – चयनित -** 1.डार द्रुम पलना, बिछौना	**12**	**1**	**2**		**15**	25**%**

	नवपल्लव के 2. साँसन ही में समीर गयो अरु आँसुन ही सब नीर गयो ढरि 3. जब ते कुँवर कान्ह रावरी, कलानिधान ! 4. सखी के संकोच, गुरु सोच मृगलोचनि 5. झहरि –झहरि झीनी बूँद हैं परति मानों **पद्माकर – (05) छन्द चयनित)-** **व्याख्या एवं पाठ विश्लेषण** **1.** फागु की भीर, अभीरिन में गहिं, गोविंद लै गई भीतर गोरी। 2. आई संग आलिन के ननद पढाई नीठि 3. एहो नंदलाल। ऐसी व्याकुल परी है बाल 4. कूलन में के लिए में कछारन में कुंजन में 5. चालो सुनि चन्द्रमुखी, चित्तमें सुचैन कवि						
योग		**48**	**4**	**8**		**60**	**100%**

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

टिप्पणी: माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक (Topic) और किसी शीर्षक के अंतर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub topic) होसकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग

विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

(पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करते हुए संपूर्ण कार्यक्रम के लिए उसकी उपयोगिता/अनिवार्यता स्पष्ट करें। - 200 शब्दों से अनधिक)

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓			

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

11. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण** (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. रत्नाकर, जगन्नाथ दास- बिहारी रत्नाकर **2.** मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, संपादन- घनानंद 3. रत्नाकर, जगन्नाथदास, घनानंद कविन्त 4. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद (सं)सुजान रसखान
2	संदर्भ-ग्रंथ	**1.** नगेन्द्र, - रीति काव्य की भूमिका , नेशल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली **2.** सिंह,बच्चन, - रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना नागरी प्रचारिणी सभा काशी, **3.** सिंह, विजयपाल,- केशव का आचार्यत्व, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली **4.**सिंह, बच्चन, - बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद **5.** तिवारी, रामचन्द्र-मध्ययुगीन काव्य साधना **6.** गौड़- मनोहर लाल,- घनानंद और स्वछन्द काव्य धारा, नागरी प्रचारिणी सभा काशी

		7. शुक्ल, रामदेव, - घनानंद का काव्य **8.** सिंह, शिव नारायण,- रीतिकालीन वीर काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन **9.** सर्राफ, राम कली, - मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी **10.** शुक्ल- रामदेव-, सांमतीपरिवेशकी जनाकांक्षा और बिहारी **11.** रत्नाकार, जगन्नाथ दास- बिहारी रत्नाकर **12.** मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद संपादन- घनानंद **13.** मिश्र, पं. विद्यानिवास – संपादन - देव की दीप सीखा 14. नगेंद्र, रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 15. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 16. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1 एवं भाग 2 वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	आई. सी. टी. आधारित शिक्षण**,** शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग**,** ई.पी.जी. पाठशाला एवंयू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	लिंक	
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

1. पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course): **हिंदी साहित्य का इतिहास-2**

2. पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course): **MSHU122**

3. क्रेडिट(Credit)**: 4**

4. सेमेस्टर(Semester):**द्वितीय**

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course): पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को हिंदी साहित्य की परम्परा के साथ प्रमुख रचनाकारों के महत्त्व और उनके साहित्यिक योगदान की जानकारी देना है।

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOs):**

ज्ञान संबंधी	• आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास और नवजागरण के साथ विद्यार्थी साहित्य की परम्परा एवं भारतीय संस्कृति से विद्यार्थी परिचित होगा। • साहित्य के प्रति विद्यार्थी की समझ विकसित होगी और उसके ज्ञान का विस्तार होगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी में साहित्यिक विवेक विकसित होगा और पठन पाठन में दक्षता हासिल होगी.
रोज़गार संबंधी	• प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थी अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के साथ स्वतंत्र लेखन भी कर सकता है.

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में):**				**कुल घंटे**	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	आधुनिक काल: सामान्य परिचय राजनितिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिचय • हिंदी नवजागरण • भारतेंदु युग • द्विवेदी युग	**12**	**02**	1		15	25%
मॉड्यूल-2	**हिंदी कविता का विकास-1** • छायावाद	**12**	**02**	1		15	25%

	• प्रगतिवाद • प्रयोगवाद • नई कविता						
मॉड्यूल-3	**हिंदी कविता का विकास-2** • साठोत्तरी कविता • समकालीन कविता • हिंदी कविता का वर्तमान	12	**02**	1		15	25%
मॉड्यूल-4	**हिंदी गद्य का उद्भव और विकास** • हिंदी गद्य का उद्भव • स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य • स्वातंत्रयोत्तर हिंदी गद्य • समकालीन हिंदी गद्य	**12**	2	1		15	25%
योग							

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट

	निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान, ट्यूटोरियल/संवाद, प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य, कौशल विकास गतिविधियाँ, कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

09.अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOs):

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

11. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण** (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, बच्चन, आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी गद्य विन्यास और विकास, इलाहाबाद, लोक भारती प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	डॉ., नगेन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नोएडा, मयूर पेपर बैक्स. द्विवेदी आचार्य, हजारीप्रसाद, हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास,प्रकाशन. नई दिल्ली, राजकमल शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन. वर्मा, रामकुमार, हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, इलाहाबाद, रामनारायण लाल प्रकाशन.

		शर्मा ,डॉ., रामकिशोर,हिंदी साहित्य का इतिहास, इलाहाबाद, श्यामा प्रकाशन संस्थान. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, इलाहबाद, लोक भारती प्रकाशन. सिंह, नामवर, कविता के नये प्रतिमान, नई दिल्ली, लोक भारती प्रकाशन. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, आधुनिक कविता यात्रा, इलाहाबाद, लोक भारती प्रकाशन. सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, लोक भारती प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	पीडीएफ एवं आडियो वीडियो सामग्री का प्रयोग.
4	लिंक	**1. www.egyankosh.ac.in** **2. www.youtube.com** **3. https://epgp.inflibnet.ac.in/** **4.** http://kavitakosh.org 5. http://www.hindisamay.com/ 6. http://hindinest.com/
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग.

1. **पाठ्यचर्या का नाम**(Name of the Course): **हिंदी उपन्यास**

2. **पाठ्यचर्या का कोड**(Code of the Course): **MSHU123**

3. **क्रेडिट**(Credit)**: 04**

4. **सेमेस्टर**(Semester): **द्वितीय**

5. **पाठ्यचर्या विवरण(**Description of the Course):

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य उपन्यास का अर्थ, स्वरूप, उद्भव तथा उसके तत्वों का परिचय प्राप्त करते हुए हिंदी उपन्यास की पूरी विकास यात्रा को संपूर्णता में जानना-समझना है। चयनित उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय समाज के यथार्थ, उसके जीवन मूल्यों एवं यहाँ की सांस्कृतिक विविधता से भी परिचित होगा।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOs

i) ज्ञान/बोध संबंधी साहित्य की विभिन्न विधाओं के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय समाज, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को गहराई से जान-समझ पाएंगे।

ii) कौशल/अभ्यास संबंधी विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, राजनीति एवं संस्कृति के प्रति समझ विकसित होगी। इससे उनका कौशल निखेरेगा तथा उनकी सृजनात्मक क्षमता भी समृद्ध होगी।

ii) नियोजन/रोजगार संबंधी अकादमिक जगत के अलावा फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन तथा भारत सरकार के विभिन्न उपक्रमों में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	**'उपन्यास' का उदय** • उपन्यास : अर्थ एवं स्वरूप • उपन्यास का उदय • उपन्यास के तत्व	12	02	01		**15**	**25%**

मॉड्यूल-2	**हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा** ● प्रेमचंद पूर्व उपन्यास ● प्रेमचंदोत्तर उपन्यास ● साठोत्तरी उपन्यास ● समकालीन उपन्यास	**12**	**02**	**01**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**प्रेमचंद : निर्मला** ● प्रेमचंद के उपन्यासों का परिचय ● 'निर्मला' की कथावस्तु ● मूल संवेदना ● देशकाल एवं वातावरण ● प्रासंगिकता ● शिल्प पक्ष	**12**	**02**	**01**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**अमृतलाल नागर : मानस का हंस** ● अमृतलाल नागर के उपन्यासों का परिचय ● 'मानस का हंस' की कथावस्तु ● मूल संवेदना ● देशकाल एवं वातावरण ● प्रासंगिकता ● शिल्प पक्ष	**12**	**02**	**01**		**15**	**25%**
योग		**48**	**08**	**04**		**60**	**100%**

टिप्पणी: माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक (Topic) और किसी शीर्षक के अंतर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक **(**Sub topic**)** होसकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, समूह चर्चा,संवाद
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग, चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख,वीडियो माध्यम/लिंक आदि

9. अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓					

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

11. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

	मूल्यांकन				
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण** (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• निर्मला, प्रेमचंद • मानस का हंस, अमृतलाल नागर
2	संदर्भ-ग्रंथ	• सिंह, विजय मोहन सिंह. (1983). कथा समय. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. • मधुरेश, (1998). हिंदी उपन्यास का विकास. इलाहाबाद : सुमित प्रकाशन • राय, गोपाल. (2006). उपन्यास की संरचना. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन • शर्मा, रामविलास. (1989). प्रेमचंद और उनका युग. नई दिल्ली :

		राजकमल प्रकाशन • श्रीवास्तव, परमानंद. (1976). उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस • मिश्र, रामदरश, हिंदी उपन्यास: एक अंतरयात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली • राय, गोपाल, हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली • मिश्र, शम्भुनाथ, उपन्यास और हिंदी आलोचना, के.के. प्रकाशन, नई दिल्ली • यादव, वीरेन्द्र, वर्चस्व की सत्ता और हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी.पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	लिंक	
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग